

# पल्मोनरी ट्यूबरक्लोसिस क्या होता है

**पल्मोनरी** वर्ड किसको इंडीकेट कर रहा है -- **लंग्स** (फेफड़ा) को

तो पल्मोनरी ट्यूबरक्लोसिस क्या है -- ऐसा ट्यूबरक्लोसिस जो **लंग्स**(फेफड़ा) को **एफेक्ट**(खराब करता है / प्रभाव करता है ) कर रही हो

वैसे तो ट्यूबरक्लोसिस हमारे अन्य **ऑर्गन्स**(आंग) को भी एफेक्ट करती है जैसे की -- **ब्रेन**(दिमाग), **बोन**(हड्डी), **किडनी**(गुर्दे ) या फिर **एब्डोमिनल** एरिया (पेट का एरिया)

पल्मोनरी ट्यूबरक्लोसिस का शार्ट फॉर्म है **टी बी** या फिर **ट्यूबरक्लोसिस**

तो अब देख लेते है इसका **परिभाषा**

टी बी एक **कंटगीयस** डिजीज है -- कंटगीयस का मतलब हुआ **कम्युनिकेबल** यानि के ऐसा बिमारी जो एक इंसान से दूसरे इंसान को हो सकती है

ये एक **ड्रॉपलेट** इन्फेक्शन है --- कैसे ? जैसे के अगर किसी इंसान को टी बी हुआ है तो उस इंसान का **ड्रॉपलेट**(छोटी बून्द उसके छींकने से निकलती हो ) में वो **बैक्टीरिया**(बैक्टीरिया मिक्रोऑर्गेनिस्म का एक प्रकार होता है) होता है जो **मिक्रोऑर्गेनिस्म** (ऐसे जीव जो बहुत छोटे होते है और उन्हें शरीफ दूरबीन से देखा जा सके ) जिसके कारण टी बी होता है वो बैक्टीरिया उस ड्रॉपलेट में होता है

तो जब भी इंसान **कफ़** ( खाँसना ) करेगा , बात करेगा , **स्नीज** ( छींकना ) करेगा तो उसके **म्यूकस** ( बलगम ) में या फिर **सलाइव** ( लार) में वो बैक्टीरिया मौजूद होगा और अगर कोई इंसान उस **इन्फेक्टेड** (संक्रमित) इंसान के **क्लोज** (पास) खड़ा हुआ है और वो इंसान इन्फेक्टेड इंसान क ड्रॉपलेट या फिर म्यूकस को **इन्हेल** ( सांस अंदर लेना) कर लेता है तो उस इंसान को भी टी बी हो सकता है

इसीसलिए टी बी को **कंटगीयस डिजीज** ( कम्युनिकेबल बीमारी) कहा गया है

बैक्टीरियल इन्फेक्शन :::

इसका मतलब ये इन्फेक्शन बैक्टीरिया से होता है | और इन्फेक्शन कब होता है ? इन्फेक्शन तब होता है जब कोई मिक्रोऑर्गेनिस्म इंसान के अंदर प्रवेश कर लेता है

तो ट्यूबरक्लोसिस इन्फेक्शन कब होता है ? टी बी एक बैटरिए के कारण होता है | ये बैक्टीरिया जब हम **इन्हेल** कर लेते है इस फिर किसी और तरीके से हमारे बाँडी में एंटर कर जाता है तो तब ट्यूबरक्लोसिस हो जाता है

दैट मैनली इन्वोल्व्स द लंग्स :::

इसका मतलब ये टी बी ज्यादातर लंग्स को इन्फेक्ट करता है

बट में इन्वोल्व्स अदर ऑर्गन्स :::

और फिर धीरे धीरे लंग्स से और ऑर्गन्स में भी फैल सकता है

कॉसड बाय मैकोबैक्टेरियम ट्यूबरकलोसिस :::

ये टी बी बैक्टीरिया से होता है | और उस बैक्टीरिया का नाम मैकोबैक्टेरियम ट्यूबरकलोसिस होता है

ट्यूबरकलोसिस **वर्ल्ड** (दुनिया) की **वन - थर्ड** ( एक तिहाई) **पॉपुलेशन** (जनसँख्या ) को एफेक्ट कर चुकी है

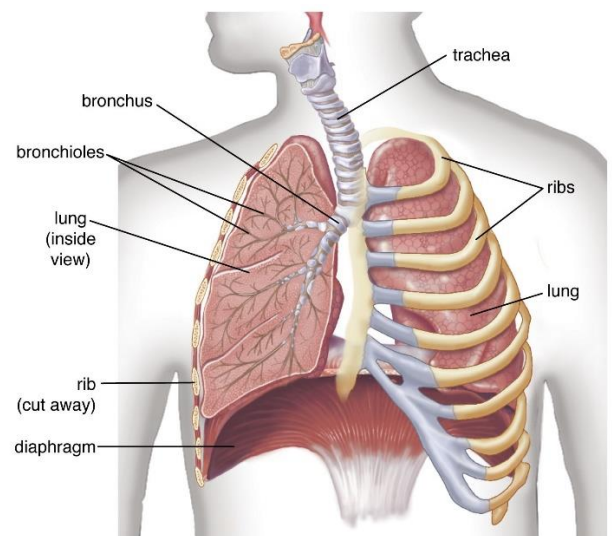
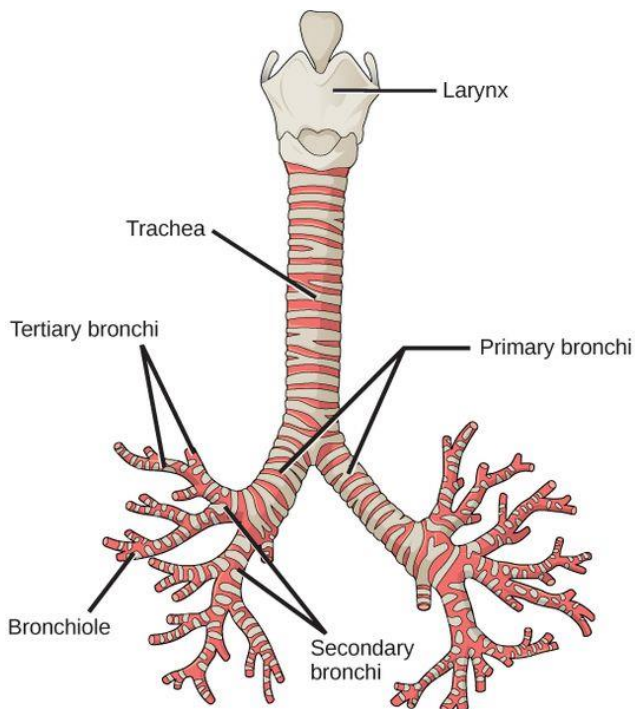
कुछ लोग टी बी क **सिम्प्टम** (लक्षण ) **शो** ( दिखाते ) है कुछ लोग नहीं --- इसके बारे में आगे अच्छे से पढ़ेंगे

मैकोबैक्टेरियम ट्यूबरकलोसिस जो बैक्टीरिया होता है वो **रोड शोप** (आकार) का बैक्टीरिया होता है

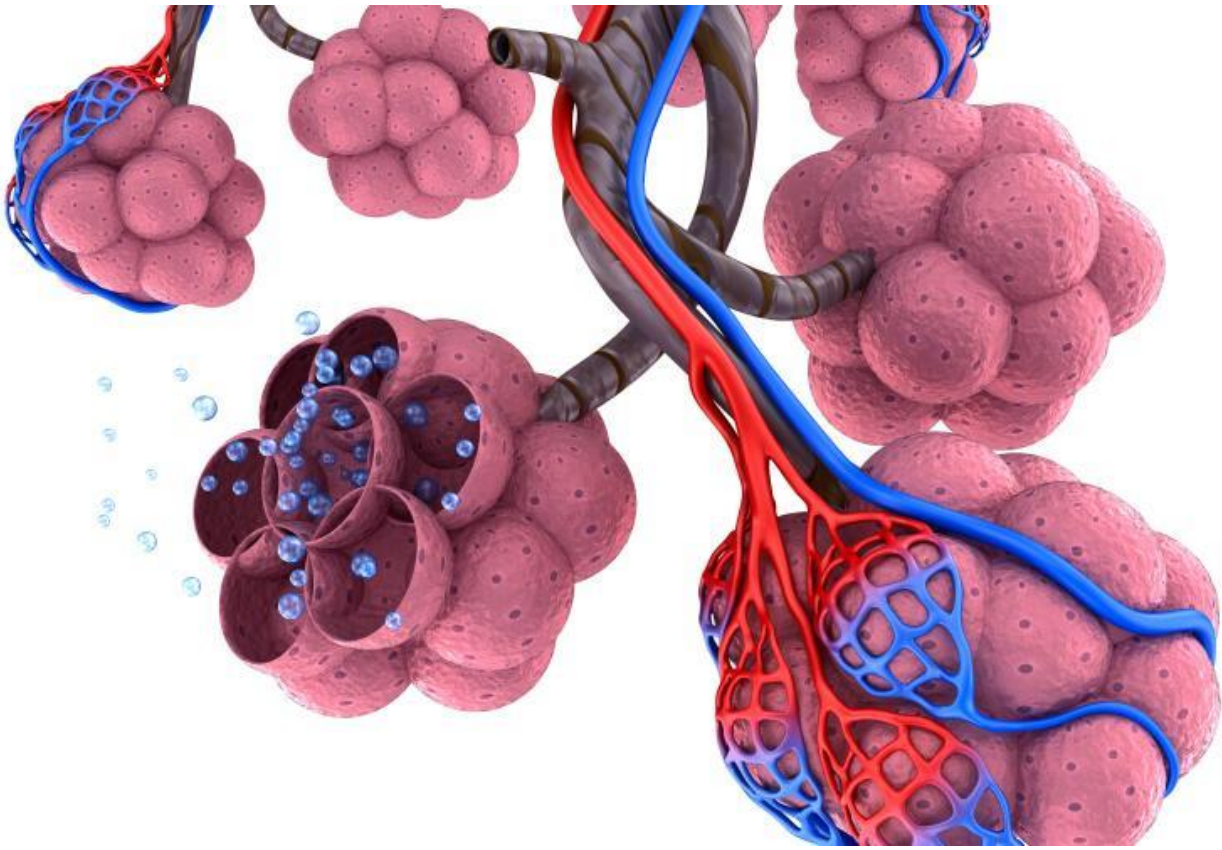


और अगर किसी ने इस बैक्टीरिया को इन्हेल कर लिए है तो तो ये बैक्टीरिया हमारे **ट्रेकिआ** ( विंड पाइप ) के **थ्रू** हमारे लंग्स में **एंटर** कर जाती है

तो ये बैक्टेरिअ हमारे ट्रेकिआ से हमारे **ब्रांकाई** में एंटर करता है फिर वह से **ब्रॉकलेस** में एंटर होता है फिर वह से **अल्वेओलिए** में ट्रेप हो जाती है



© Encyclopædia Britannica, Inc.



अब क्यों के बैक्टीरिया हमारे सरीर में एंटर कर गया है तो हमारा सरीर उससे लड़ने की कोशिश करेगा

तब ये चीजे होती है ;;;

फार्मेशन ऑफ़ ग्रैन्युलोमा इन इन्फेक्टेड लंग्स